स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत

नाम :- वर्षिता कुंवर
कक्षा :- 10th
रोल नं :- 1038

16/20

"हर नागरिक को हो ये सपना
स्वच्छ हो संपूर्ण भारत अपना"

<u>प्रस्तावना</u> :- स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। साफ सफाई या स्वच्छता प्रत्येक व्यक्ति के लिए बहुत जरूरी है। साफ सफाई से हम हमारे जीवन मे आने वाली भिन्न प्रकार कि बीमारियो से बच सकते है। स्वच्छता भिन्न प्रकार की हो सकती है। जैसे :- सामाजिक, वैचारिक, व्यक्तिगत आदि। हमें हमारे जीवन मे स्वच्छता को अपनाना चाहिए। जहां विचारो की स्वच्छता हमे एक अच्छा इंसान बनाती है, वही व्यक्तिगत स्वच्छता हमे अनेक प्रकार की हानिकारक बीमारियो से बचाती है। स्वच्छता हमारे जीवन मे बहुत जरूरी है आदि।

<u>स्वच्छता अभियान की शुरूआत</u> :- स्वच्छता इस अभियान की शुरूआत देश भर मे फैले गये कूडे को देखकर की गई थी। इस अभियान कि शुरूआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत अभियान की नई दिल्ली, राजपथ से शुरूआत करते हुए कहा था कि " एक स्वच्छ भारत द्वारा 2019 में राष्ट्रपिता ~~महात्मा~~ महात्मा गांधी जी कि 150 वी जयंती पर सर्वोत्तम श्रद्धांजलि दे सकता है। 2 अक्टूबर 2014 में पूरे देशभर मे व्यापक तौर पर इस अभियान कि शुरूआत कि गई। स्वच्छता के जनक संत गाडगे थे। साफ - सफाई के संदर्भ मे देश के सबसे बड़े अभियान को जन-आंदोलन बनाकर भी शुरू किया गया। स्वच्छता के अंतर्गत स्कूलो के सभी शिक्षको को स्वच्छता शिक्षक भी कहा जाता है। स्वच्छ भारत मिशन में कई योजनाये भी शामिल की गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का सपना था कि भारत देश एक स्वच्छ देश बने आदि।

AnyScanner

स्वच्छता के प्रकार :- स्वच्छता सामान्यतः दो प्रकार के होती है
(i) व्यक्तिगत स्वच्छता (ii) पर्यावरण स्वच्छता

(i) व्यक्तिगत स्वच्छता के अंतर्गत :- इस मे हमे हमारे शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए जैसे :- रोज स्नान करना नाखुन साफ रखना, साफ कपडे पहनना तथा गंदी से दूर रहना आदि।

(ii) पर्यावरण स्वच्छता के अंतर्गत :- इस मे हमे हमारे पर्यावरण को स्वच्छ रखना चाहिए। कई बार हमे कचरे जैसे :- प्लास्टिक की वस्तु, पन्नी, डिस्पोजल आदि का उपयोग कर इन्हें फेक देते जिससे आवार पशु या जानवर उन्हें खा जाते है। जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है अतः यह एक जगह इकठा हो जाते है जिससे उसमें कई जीवाणु उत्पन्न हो जाते है और हमें स्वंय को बीमारी हो जाती। इन वस्तु या कचरो का अपघटन नहीं हो पाता है। अतः इनका हमे कम-से कम उपयोग मे लेना चाहिए। डिस्पोजल मे चाय या पेय पदार्थ पीने से हमे केंसर जैसी बीमारी का सामना करना चाहिए पर्यावरण को या वातावरण को शुद्ध रखने के लिए हमे कचरें को कुडादान में डालना चाहिए और अपने आस-पास, साफ-सफाई का नियमित रूप से ध्यान लगाना चाहिए - पेड़ पौधे लगाकर हम हमारे पर्यावरण को स्वच्छ रख सकते है आदि।

स्वच्छता का उद्देश्य :- इस अभियान का हमारे जीवन मे अधिक महत्व है। जो, स्वंय, समाज, पर्यावरण के लिए फायदेमंद है। स्वच्छता के महत्वः स्वस्थ रहके माध्यमः को अपनाकर हम स्वंय को रोगो से बचा सकते है। ये बीमारियो के प्रसार को रोकता है और उन्हें स्वस्थ को ~~सुरक्षीत~~ सुरक्षित रखता है आदि।

AnyScanner

स्वच्छता के फायदे :- स्वच्छता से हम निम्न प्रकार कि बीमारियों से बच सकते है साफ - सफाई करके हमारे शरीर को स्वस्थ व मजबूत बनाकर रख सकते । स्वच्छता हमे कई किटाणुओ से होने वाली बीमारियों से बचाती है । इन बीमारियों मे लगे लाखो रुपये के खर्चे से भी हमे बचाती है । स्वच्छता कर रखने से पर्यावरण मे भी सुधार होगा और साफ - सुथरे वातावरण मे बीमारियो का फैलना भी कम होगा । स्वच्छता हमारे जीवन की एक गुणवत्ता है और यह हमारे जीवन को आगे बढ़ाती है ।

उपसंहार :- स्वच्छता हमारे जीवन मे अभिन्न प्रकार से संबंधित है और स्वच्छता संबंध से हम स्वस्थ जीवन जी सकते है । प्रत्येक देश के नागरिक - वैचारिक सामाजिक, व्यक्तिगत रूप से स्वच्छ होंगे तो उस देश को आगे बढ़ने से कोई नही रोक सकता । प्रत्येक नागरिक स्वच्छता कि जिम्मेदारी ले और देश के विकास मे अपना योगदान दे । स्वच्छता के प्रति हमें देश को जागरूक करना चाहिए आदि ।

एक कदम स्वच्छता की और बढ़ाय

Name- Antima meena
Class- XIIth

निबंध प्रतियोगिता

18/20

स्वच्छ भारत: स्वच्छ भारत

⇒ स्वच्छ भारत अभियान ⇐

प्रस्तावना :- भारत देश पहले सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाता है। और अपने वैभव, सौंदर्य के रूप में प्रसिद्ध था। अब वह और देशों की बाहरी ताकतों से हमारे देश की हालतों पर बहुत ~~खतरा~~ खतरा है, जिसमें हमारे भारत देश की हालत आज बहुत खराब हो गई है।

स्वच्छता का अर्थ :- स्वच्छ शब्द का अर्थ है कि अत्यन्त सुन्दर, विशुद्ध, उज्जवल एवं स्वच्छ
स्वच्छता का अर्थ है कि हम और हमारे आस-पास के पर्यावरण का स्वच्छ बनाये। रखना हमारा यह कर्तव्य की परिवरण पर होने वाले नुकसान दायी पदार्थों को रोके और हमें अपने ~~स्वास्थ~~ के प्रति जागरूक होना हमारा पहला कर्तव्य माना जाता है कि हमारें शरीर पर हानियां होने से रोके और स्वास्थ ~~की~~ के प्रति के हमेशा सचेत ~~रखना~~ रहना

[3] स्वच्छता अभियान की शुरुआत ÷ स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत हमारे भारत देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी के जन्म पर अक्टूबर 2014 को नई दिल्ली में राजपथ पर शुभारंभ किया गया था। जिसको आज कर्तव्य पथ के नाम से जाना जाता है। इसका शुभारंभ भारत देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा किया गया था। इसमे यह घोषणा कि गई हमारे पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाना ही हमारा कर्तव्य होगा। हमे अपने आसपास की गदंगी को दूर करना है।

[4] स्वच्छता अभियान का उद्देश्य ÷ हमें अपने घर, आँगन को नही बल्कि पूरे राष्ट्र का स्वच्छ बनाना हमारा महत्वपूर्ण कर्तव्य है

[1] हमारा यह कर्तव्य होगा की हमें अपने राष्ट्र को हर-कोना-कोना साफ रखना है।

[2] खुले मे शौच जाने से रोकने पर जोर दिया।

[3] हमें अपने पर्यावरण की साफ-सफाई करनी है।

[4] हमारे आस-पास की घर रहने वाली गदंगी से मुक्ती पाना है

[5] हर घर पर शौचालय बनाया जाए

भारत देश का स्वच्छ बनाना है
यह हमारा सपना है
एकदम स्वच्छता की ओर
राष्ट्र को स्वच्छ बनाना, हमारा कर्तव्य पूरा करना है

स्वच्छता के प्रकार :-

स्वच्छता दो प्रकार की होती है

[1] व्यक्तिगत स्वच्छता

[2] पर्यावरणीय स्वच्छता।

व्यक्तिगत स्वच्छता :- व्यक्तिगत स्वच्छता का अर्थ है कि हमें हमारे शरीर और हमारे कपड़ों आदि की स्वच्छता व्यक्तिगत स्वच्छता होती है। व्यक्तिगत स्वच्छता हमें अपने शरीर की स्वच्छता का ध्यान मे रखकर करना चाहिए

पर्यावरणीय स्वच्छता :- पर्यावरणीय स्वच्छता मे हमे अपने आस-पास की स्वच्छता के बारे मे ध्यान रखना चाहिए। पर्यावरण मे होने वाली हानियाँ को रोकना चाहिए और पर्यावरण पर हो रहे हत्याचारों को रोकना ही हमारी कर्तव्य बनता है।
पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए ज्यादा पेड़-पौधे लगाने चाहिए और पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखना चाहिए

6. उपसंहार :- स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150 वी जयंती पर नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की भारत देश के हर-घर मे शौचालय घर होना अनिवार्य है इसके लिए कई योजनाएँ चलायी गई थी. इस बी.पी.एल परिवारों को विशेष रूप से विशेष सहायता प्रदान की गई जिसे कि उन परिवारों को भी सुख: सुविधा आसानी से मिल जाए।

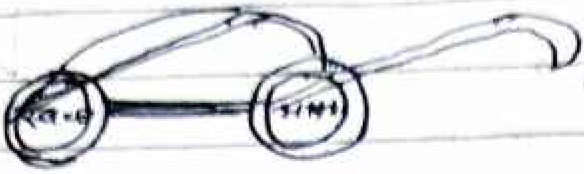

एकदम स्वच्छता की ओर

...- रामचन्द्र मीणा   Name = KHUSHBOO Meena

स्वच्छ भारत अभियान पर निबंध   Date : 19/9/2024

19/20

मुख्य बिन्दु

= गाँधी जी

1. प्रस्तावना
2. स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत
3. स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्य
4. इस अभियान के उद्देश्यो का क्रियान्वयन
5. स्वच्छ भारत अभियान मे अब्दुल कलाम की भूमिका
6. उपसंहार

* प्रस्तावना → स्वच्छता का हमारे देश मे विशेष महत्व है। स्वच्छता हमारे घर, गली-मोहल्ले के लिए तो जरूरी है ही इसके साथ ही स्वच्छता पूरे देश के लिए आवश्यक आवश्यक है। अगर हम अपने गली-मोहल्ले की तरह देश को भी स्वच्छ रखे तो भारत सोने की चिड़ियाँ बन सकता है। इसी को नजर मे रखते हुए सबसे पहले महात्मा गाँधी ने स्वच्छ अभियान आरम्भ किया। यह एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है।

यह देश आपका अपना है।
इसे स्वच्छ नही तो किसे स्वच्छ रखोगे ।।

* स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत → स्वच्छ भारत अभियान के लिए महात्मा गाँधी ने अनेक प्रयास किए लेकिन उस समय स्वच्छ भारत अभियान मे कोई भी दिलचस्पी नही रखते थे। इसी वजह से वे अपने स्वच्छ भारत अभियान के सपने को सफल नही बना सके 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे द्वारा गोली चलाकर उनकी हत्या कर दी गई। महात्मा गाँधी के इस सपने के लिए 2 अक्टूबर 2014 को बापू की 145वीं जयंती पर स्वच्छ भारत अभियान की

Subject : Date : / /

की शुरुआत की गई। इसमें यह तय किया गया कि बापू की 150वी जयंती 2 अक्टूबर 2019 तक इसे पुरा कर लिया जाएगा।

बापू का था यही इरादा।
स्वस्थ हो स्वच्छ हो भारत अपना।

गलत है वो लोग जो यह कहते हैं कि मजबुरी का नाम महत्मा गाँधी है। मजबुरी का नही मजबुती का नाम महात्मा गाँधी है।

* इस अभियान के उद्देश्य ⟹ इस अभियान का उद्देश्य है लोगो को स्वच्छता के प्रति जागरुक करना, घरो तक पाइपलाइनों द्वारा पानी की उपलब्धता को सुनिश्चित करना, घर, गाँव-मोहल्ले से लेकर हर जगह शौचालयो का निर्माण करवाना, साफ सफाई कुडा-करकट का उचित निस्तारण करवाना, देश के बुनियादी ढाँचे को मजबुती प्रदान करना, आदि इस अभियान के उद्देश्य है।

मेरा देश अब स्वच्छ होगा।
कुड़ा-कुडेदान के अन्दर होगा॥

* इस अभियान के उद्देश्यो का क्रियान्वयन ⟹ स्वच्छता अभियान के उद्देश्यो का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन साफ दिखाई दे रहा है। अगर बात हम सरकारी आँकडो की करे तो हमारे देश मे लगभग 10,19,64,757 शौचालय निर्मित हो चुके है। 6,03,055 गाँव ओपन डिफेकेशन फ्री हो चुके है। 706 जिले इस श्रेणी मे शामिल हो चुके है। 36 राज्य व केन्द्रशासित प्रदेश मिलकर इस अभियान को सफल बना रहे है।

हम सबका है एक ही सपना।
स्वच्छ बनाना है भारत अपना।।

स्वच्छ भारत अभियान पे अब्दुल कलाम की अभिव्यक्ति —
हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने अपनी एक स्पीच मे कहा था कि हम भारतीय जब अपने देश से बाहर जाते है अमेरिका जाते है, सिंगापुर जाते है तो वहाँ थूकते तक नही करते है थूकने से लेकिन जब हम वापस अपने देश आते है तो थूकना चालू कर देते है। एक तरफ तो हम इस धरती को माँ कहते है। दूसरी तरफ इसी पर गंदगी फैलाते है। हमे ऐसा नही करना चाहिए। अगर एक अकेला गांधी पहाड़ तोड़ सकता है तो हम 125 करोड़ भारतीय मिलकर हमारे देश को स्वच्छ क्यों नही रख सकते अगर हम 125 करोड़ भारतीय एक-एक कदम बढते है तो हमारा देश 125 करोड़ कदम आगे बढता है।

करो मिलकर सभी भारतीय ऐसा काम।।
जिससे स्वच्छ हो जाए भारत अपना।

अगर राष्ट्र को प्रगति लाना है।
तो देश को स्वच्छ बनाना है।

उपसंहार = महात्मा गाँधीजी ने हमारे देश को दासता से मुक्त करवाया लेकिन उनका स्वच्छ भारत अभियान का सपना पूरा नही हो पाया था। किन्तु हम सभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई के साथ इस सपने को पूरा करेंगे। एकु

सच्चा भारतीय नागरिक होने के नाते हमारा कर्तव्य है कि हम ना तो गंदगी फैलाए और ना ही फैलाने दें। इस भारत देश को हम अपने घर की तरह चमकाएं जिससे हम गर्व से कह सके की हम भारत देश के निवासी है।

स्वच्छ भारत के सपने को करना है साकार,
स्वच्छता से भारत को देना है आकार॥

इस अभियान का प्रतीक चिह्न गाँधीजी का चश्मा है।

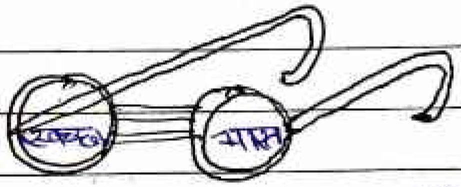

एक कदम स्वच्छता की ओर